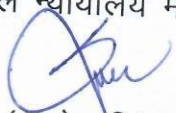




संख्या 4 की ओर से विद्वान राजकीय परोकार ने बहस में तर्क दिया कि अपीलाधीन नामान्तरकरण याद जाँच व नियमों के परिपेक्ष्य में अदालत मातहत द्वारा स्वीकृत किया गया है जिसमें किसी भी अनियमितता नहीं है। अतः अपील अपीलार्थीगण निरस्त की जाकर अदालत मातहत द्वारा स्वीकार किया गया अपीलाधीन नामान्तरकरण यथावत रखा जावे।

उक्त बहस सुनने उस पर मनन करने तथा पत्रावली के अवलोकन करने के पश्चात यह स्पष्ट है कि नामान्तरकरण संख्या 974 वाले ग्राम नौगांव के कालम संख्या 16 में पटवारी हल्का संख्या 22/10/09 को यह रिपोर्ट अंकित की है कि खातेदार दीनदयाल पुत्र बीरबल के मृत्यु प्रमाण पत्र पर गाँव में जानकारी की तो खातेदार दीनदयाल अविवाहित व लाओलाद फोट होना पाया गया। 22/09/09 को हल्का गिरदावर ने यह रिपोर्ट की है कि मुताबिक जमाबन्दी विरासत का अंकन सही है। अदालत मातहत ने उक्त अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकृत किया है। वकील अपीलार्थीगण का कथन कि अदालत मातहत ने बिना जाँच किये व अपीलार्थीगण को सुने बिना अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकृत किया है उचित प्रतीत होता है क्योंकि हिन्दू उत्तराधिकार विधि की धारा 8 वर्ग ए के अन्तर्गत चल अचल सम्पत्ति पर उक्त सूची के मुताबिक प्रथम अधिकार मृतक की माता को प्राप्त है। इस प्रकरण में अभाव है व नियमों के परिपेक्ष्य में उक्त अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकृत किये जाने से अपीलाधीन नामान्तरकरण निरस्त किये जाने योग्य है।

उक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलार्थीगण स्वीकार की जाकर अपीलाधीन नामान्तरकरण निरस्त किया जाता है व तहसीलदार गंगापुरसिटी को निर्देशित किया जाता है कि हिन्दू उत्तराधिकार विधि के मुताबिक नामान्तरकरण तस्दीक करने की नियमानुसार कार्यवाही की जावे।  
दिनांक 02/09/2015 को लिखया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(बलदेव सिंह हाडा)  
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,  
सवाईमाधोपुर